समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 29 September 2026

ओडिशा मे मिला 20 टन सोना : GSI की बड़ी खोज से भारत को मिलेगा सोने मे आत्मनिर्भरता का नया रास्ता

Publisher

Published on 19 Aug 2025

परिचय : सोने से चमकेगा ओडिशा !

भारत में खनिज संसाधनों की दृष्टि से समृद्ध राज्य ओडिशा ने अब एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। **भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI)** ने हाल ही में ओडिशा के **6 जिलों** में **लगभग 20 टन सोने के भंडार** की संभावनाओं की पुष्टि की है। यह खोज देश के लिए न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी बड़ा कदम मानी जा रही है।

कहां-कहां मिला सोना ?

ओडिशा के जिन जिलों में सोने के भंडार की पुष्टि या संभावना जताई गई वे हैं:

- **देवगढ़ (Deogarh)** – Adasa-Rampalli क्षेत्र में सर्वाधिक संभावित क्षेत्र
- **केन्दुझर (Keonjhar)** – Gopur-Gazipur, Mankadachuan, Dimirimunda
- **सुंदरगढ़ (Sundargarh)**
- **नबरंगपुर (Nabarangpur)**
- **कोरापुट (Koraput)**
- **अंगुल (Angul)**

इसके अतिरिक्त मलकानगिरी, बौध और मेयरभंज जैसे जिलों में भी प्रारंभिक संकेत मिले हैं।

क्या कहती है रिपोर्ट ?

खनन मंत्री **विभूति भूषण जेन** ने ओडिशा विधानसभा में यह जानकारी दी कि इन क्षेत्रों में **G2 और G3 स्तर के जियोलॉजिकल सर्वे** किए गए हैं। देवगढ़ जिला इस खोज में सबसे आगे बताया गया है और यह राज्य का पहला **सोने का खनन ब्लॉक** बन सकता है, जिसे जल्द ही नीलामी के लिए पेश किया जाएगा।

GSI के आंकड़ों के अनुसार, सोने की मात्रा लगभग **10–20 टन** तक हो सकती है, जो भारत के वर्तमान घरेलू उत्पादन (सिर्फ 1.6 टन/वर्ष) के मुकाबले बड़ी उपलब्धि है।

?? भारत के लिए क्या है महत्व ?

भारत दुनिया में **सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता** है, लेकिन अधिकांश सोना आयात किया जाता है—औसतन हर साल

700–800 टन। यदि यह भंडार व्यावसायिक स्तर पर खनन के लिए तैयार होता है, तो इससे भारत की **सोने के आयात पर निर्भरता मे कंमी** आ सकती है।

आर्थिक और सामाजिक लाभ

- **राजस्व मे वृद्धि**: राज्य सरकार को नीलामी से करोड़ों का राजस्व मिल सकता है।
- **स्थानीय विकास**: खनन क्षेत्र में सड़क, पानी, बिजली, स्कूल और अस्पताल जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ेगा।
- **रोजगार**: हज़ारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।
- **निजी निवेश**: घरेलू और विदेशी कंपनियां इन खनन परियोजनाओं में निवेश कर सकती हैं।

पर्यावरणीय संतुलन भी जरूरी

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि खनन कार्य **पर्यावरण संरक्षण** और **स्थानीय समुदायों के अधिकारों** को ध्यान में रखते हुए ही किए जाएंगे। पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) और पुनर्वास योजनाओं को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा।

⚠️ चुनौतियाँ

- **तकनीकी अनुमानों मे अंतर**: 10–20 टन की अनुमानित मात्रा को लेकर विस्तृत खुदाई और विश्लेषण की जरूरत है।
- **नीलामी प्रक्रिया**: इसे पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखना बड़ी जिम्मेदारी होगी।
- **स्थानीय विरोध**: अगर पुनर्वास और पर्यावरणीय दिशा निर्देशों का पालन न हुआ तो स्थानीय विरोध हो सकता है।

आगे की योजना क्या है ?

राज्य सरकार, OMC (Odisha Mining Corporation) और GSI मिलकर देवगढ़ में पहला गोल्ड माइनिंग ब्लॉक तैयार कर रहे हैं। इसके बाद अन्य जिलों में भी चरणबद्ध खनन ब्लॉक तैयार किए जाएंगे।

निष्कर्ष

ओडिशा की यह खोज भारत के लिए एक **आर्थिक क्रांति** साबित हो सकती है। अगर यह परियोजनाएं सही तरीके से लागू की जाती हैं, तो देश में सोने का आयात घट सकता है, और लाखों लोगों को विकास और समृद्धि का नया अवसर मिल सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.